मणिपुरी अफीम युद्ध

चर्चा में क्यों ?

- इंफाल में एक पहाड़ी ढलान पर नशीली दवाओं के विरोधी कार्यकर्त्ताओं और पुलिसकर्मियों ने अफीम के पौधों को नष्ट कर दिया। अफीम की खेती के कारण मणिपुर की पहाड़ियों को हुए नुकसान के कारण मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने आदिवासी प्रमुखों के विरुद्ध 'संघर्ष' की घोषणा की।

- मुख्यमंत्री ने 2017 में पदभार ग्रहण के साथ ही नशीली दवाओं के खिलाफ अभियान शुरू किया था और वर्ष 2022 में आदिवासी ग्राम प्रधानों को नकद प्रोत्साहन प्रदान किया, ताकि अफ़ीम खेती रुकवाई जा सके, परंतु बड़े क्षेत्रों में अभी भी अफीम की खेती देखने को मिलती है।

प्रमुख बिंदु

- क्रोधित मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने मणिपुर के आदिवासी ग्राम प्रधानों को "आखिरी चेतावनी" जारी की,कि विशाल पहाड़ी ढलानों में अफीम की खेती को तुरंत बंद कर दें या "आजीवन कारावास का सामना करें"।
- पहाड़ी राज्य के आदिवासी क्षेत्रों में इस तरह के अभियान के सफल होने के लिए, यह महत्वपूर्ण था कि गाँव के मुखिया सरकार के साथ हों।
- सरकार द्वारा अनेक प्रयासों के बाद हरे-भरे अफीम के पौधों को नष्ट करने तथा अन्य गैर-खसखस बागानों में जाने में मदद करने के लिए कई सरदारों को पर्याप्त नकदी वितरित की गयी ।
- अनेकों पहाड़ ,पेड़ों और अन्य वनस्पतियों से रहित हैं जिसका अर्थ है कि पहाड़ की जल धाराएँ अवरुद्ध हो जाती हैं, जिससे कीचड़ और भूस्खलन होता है। पानी के बिना, कुछ भी नहीं उगाया जा सकता है, जो इंसानों के जीवन को खतरे में डालता है तथा खाने योग्य वनस्पतियों के पीछे पोस्त (अफीम) के पौधे छिपे हुए दिखाई देते हैं।

स्रोत- द इंडियन एक्सप्रेस

कई देशों में बढ़ रहे हैं कोविड के मामले-पीएम मोदी

चर्चा में क्यों ?

- रविवार को मन की बात प्रोग्राम में प्रधानमंत्री ने लोगों से सतर्क रहने और कोविड-19 के खिलाफ सावधानी बरतने को कहा क्योंकि यह वायरस कई देशों में फैल रहा है।
- चीन में शून्य-कोविड नीति को हटाने से महामारी निरंतर फैलती जा रही है।

प्रमुख बिंदु

- भारत ने 220 करोड़ से अधिक की अपनी अविश्वसनीय टीकाकरण खुराक के साथ दुनिया में अपना एक विशेष स्थान बनाया है और भारत पांचवीं सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बन गया है।
- देश ने 400 बिलियन अमेरिकी डॉलर (एक बिलियन = 100 करोड़) का "चमत्कारिक" निर्यात आंकड़ा भी हासिल किया और अंतरिक्ष, रक्षा एवं ड्रोन क्षेत्रों में नई प्रगति की। साथ ही प्रधानमंत्री ने खेलों में अपनी उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला।

कोरोना वैक्सीन

स्पुतनिक V - रूस की कोरोना वैक्सीन

कोवैक्सीन - भारत बायोटेक

कोविशील्ड - सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ़ इंडिया लैब

ज़ाईकोव-डी - अहमदाबाद की ज़ाइडस-कैडिला कंपनी

स्रोत- द हिन्दू

पैट्रियट मिसाइल रक्षा प्रणाली

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में, बिडेन प्रशासन ने कहा कि वह यूक्रेन को पैट्रियट वायु रक्षा प्रणाली सहित सैन्य सहायता में $1.85 बिलियन प्रदान करेगा।
- यूक्रेन, रूस के साथ युद्ध लड़ रहा है और उसे आने वाली मिसाइलों से खुद को बचाने के लिए ऐसी रक्षा प्रणाली की जरूरत है।

210, Virat Bhawan, 2nd Floor Near Post Office, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Contact Us 9999516388, 8595638669

प्रमुख बिंदु

- 10 महीने बाद, यह अभी भी आश्चर्यजनक रूप से उच्च प्रदर्शन करने वाले यूक्रेनी सैनिकों के साथ पूर्व और दक्षिण में रूसियों के खिलाफ आक्रामक दबाव बनाए हुए है। हाल के महीनों में, यूक्रेन ने उन क्षेत्रों को वापस ले लिया जो युद्ध के शुरुआती चरणों में रूसियों से हार गए थे।
- जिसमें पूर्वोत्तर में खार्किव ओब्लास्ट और दक्षिण में खेरसॉन के हिस्से शामिल हैं।
- पश्चिम से सैन्य और वित्तीय सहायता, विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका, यूक्रेन के सफल जवाबी हमले में महत्वपूर्ण रही है।

पैट्रियट सिस्टम क्या है?

- पैट्रियट, जिसका अर्थ चरणबद्ध ऐरे ट्रैकिंग रडार फॉर इंटरसेप्ट ऑन टार्गेट है, एक थिएटर-वाइड सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल रक्षा प्रणाली है।
- इसे रेथियॉन टेक्नोलॉजीज कॉर्प द्वारा बनाया गया है और इसे अमेरिकी शस्त्रागार में सबसे उन्नत वायु रक्षा प्रणालियों में से एक माना जाता है।
- 1991 के खाड़ी युद्ध के दौरान पहली बार इस प्रणाली का इस्तेमाल सऊदी अरब, कुवैत और इज़राइल की रक्षा के लिए किया गया था, और बाद में 2003 में इराक पर अमेरिकी आक्रमण के दौरान इस्तेमाल किया गया था।

KARMANYEVADHIKARASTE MA PHALESHU KADACHAN THE STUDY An Institute for IAS

विशेषताएं

- यह एक मोबाइल प्रणाली है जिसमें आमतौर पर शक्तिशाली रडार, एक नियंत्रण स्टेशन, एक बिजली जनरेटर, लॉन्च स्टेशन और अन्य सहायक वाहन शामिल होते हैं।
- उपयोग किए गए इंटरसेप्टर के प्रकार के आधार पर सिस्टम की अलग-अलग क्षमताएं हैं।
- PAC-2 इंटरसेप्टर एक विस्फोट-विखंडन वारहेड का उपयोग करता है, जबकि नई PAC-3 मिसाइल अधिक उन्नत हिट-टू-किल तकनीक का उपयोग करती है।
- **उपयोग**
- रेथियॉन ने 240 से अधिक पैट्रियट सिस्टम बनाए हैं और वे वर्तमान में संयुक्त राज्य अमेरिका सहित 18 देशों द्वारा उपयोग किए जाते हैं।
- इस क्षेत्र में ईरान द्वारा उत्पन्न खतरे के कारण मध्य-पूर्व इस प्रणाली की उच्च मांग रही है।
- रेथियॉन के अनुसार, सिस्टम ने 2015 से युद्ध में 150 से अधिक बैलिस्टिक मिसाइलों को इंटरसेप्ट किया है।
- पैट्रियट सिस्टम को विमान और बैलिस्टिक मिसाइल जैसे खतरों को रोकने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

- यह "कामिकेज़" ड्रोन को भी मार गिरा सकती है ,कामिकेज़ ड्रोन छोटे मानव रहित विमान होते हैं, जो विस्फोटकों से भरे होते हैं जिन्हें सीधे एक टैंक या सैनिकों के एक समूह पर उड़ाया जा सकता है जो लक्ष्य से टकराने और विस्फोट होने पर नष्ट हो जाते हैं।

स्रोत- द हिन्दू

'कवच' प्रणाली

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में भारतीय रेलवे ने कवच के कार्यान्वयन के लिए वित्तीय वर्ष 2022-23 में 272.30 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है।

कवच क्या है?

- भारतीय रेलवे ने स्वदेशी रूप से एक स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली विकसित की है, जो ट्रेनों की टक्कर से बचाव प्रणाली है, ताकि मानव त्रुटि के कारण होने वाली दुर्घटनाओं को रोका जा सके जो सिग्नल पासिंग खतरे और ओवर-स्पीडिंग से होती हैं।
- यह लोकोमोटिव में स्थापित इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन डिवाइस का एक सेट है, जो सिग्नलिंग सिस्टम के साथ-साथ पटरियों पर भी लगाया जाता है, जो ट्रेनों के ब्रेक को नियंत्रित करने के लिए अल्ट्रा हाई रेडियो फ्रीक्वेंसी का उपयोग करके एक दूसरे से संपर्क स्थापित करते हैं और ड्राइवरों को अलर्ट भी करते हैं।
- यह एक ट्रेन की आवाजाही की जानकारी को लगातार अद्यतन करके, लोको पायलट द्वारा सिग्नल जंप करने पर ट्रिगर भेजने में सक्षम है, जिसे सिग्नल पास्ड एट डेंजर (SPAD) कहा जाता है, जो रेलवे संचालन में सुरक्षा संबंधी एक गंभीर अपराध है और टक्कर जैसी दुर्घटनाओं की कुंजी।
- 'कवच' के अन्य लाभों में टर्नआउट के दृष्टिकोण पर ब्रेक के स्वचालित अनुप्रयोग द्वारा ट्रेनों की गति को नियंत्रित करना, कैब में सिग्नल पहलुओं को दोहराना शामिल है, जो उच्च गति और धुंधले मौसम के लिए उपयोगी है साथ ही लेवल क्रॉसिंग फाटकों पर ऑटो सीटी (हॉर्न) का बजना भी शामिल है।

स्रोत- पीआईबी

स्टार्टअप इंडिया सीड फंड स्कीम (SISFS)

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने बताया कि स्टार्टअप इंडिया सीड फंड स्कीम (SISFS) के तहत स्वीकृत इन्क्यूबेटरों द्वारा 656 स्टार्टअप को समर्थन दिया जा रहा है।

SISFS क्या है?

- **उद्देश्य:** इसका उद्देश्य अवधारणा के प्रमाण, प्रोटोटाइप विकास, उत्पाद परीक्षण, बाजार-प्रवेश और व्यावसायीकरण के लिए स्टार्टअप्स को वित्तीय सहायता प्रदान करना है।
- **नोडल विभाग:** वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (DPIIT)।
- स्टार्टअप इंडिया सीड फंड स्कीम के क्रियान्वयन और निगरानी के लिए DPIIT द्वारा एक विशेषज्ञ सलाहकार समिति (EAC) बनाई गई है।
- यह 945 करोड़ रुपये के कोष के साथ 1 अप्रैल, 2021 से प्रभावी रूप से लागू की गयी है।
- **स्टार्टअप के लिए पात्रता हेतु शर्तें:**
- DPIIT द्वारा मान्यता प्राप्त एक स्टार्टअप, आवेदन के समय 2 वर्ष से अधिक समय पहले शामिल नहीं हुआ था।
- स्टार्टअप को किसी अन्य केंद्र या राज्य सरकार की योजना के तहत 10 लाख रुपये से अधिक की वित्तीय सहायता प्राप्त नहीं होनी चाहिए।
- व्यक्तिगत उद्यमी, इस योजना के तहत समर्थन के लिए आवेदन हेतु पात्र नहीं हैं। इस योजना के लिए केवल DPIIT से मान्यता प्राप्त स्टार्टअप ही आवेदन कर सकते हैं।
- योजना के लिए इनक्यूबेटर के लिए आवेदन के समय स्टार्टअप में भारतीय प्रमोटरों की शेयरधारिता कम से कम 51% होनी चाहिए।

स्रोत- पीआईबी